भा. कृ. अनु. प.- केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर
ICAR-Central Institute for Cotton Research, Nagpur
An ISO 9001:2015 Certified Organisation

31 दिसंबर से 6 जनवरी 2024 तक कपास की खेती के लिए XXX साप्ताहिक सलाह

मध्य प्रदेश		पिछले सप्ताह में वास्तविक वर्षा (मिमी)					अगले सप्ताह अनुमानित वर्षा (मिमी)				
		दिसंबर					जनवरी				
		27	28	29	30	31	02	03	04	05	06
	खरगाँव										
	धार	0	10	0.6	0	0	0	0	1.5	1.3	0
	खांडवा										
वर्षा की मात्रा एवं रंग कोड		0.1 से 2.4 मिमी		2.5 से 15.5 मिमी		15.6 से 64.4 मिमी		64.5 से 115.5 मिमी		115.6 से 204.4 मिमी	
वर्षा श्रेणी		बहुत हल्की वर्षा		हल्की वर्षा		मध्यम वर्षा		भारी वर्षा		बहुत भारी वर्षा	

फसल की स्थिति:

खंडवा में, बोई गई फसल बोल खुलने से चुनाई की अवस्था में है। अधिकांश खेतों में चुनाई का कार्य चल रहा है।

परामर्श:

खंडवा में किसानों को सलाह दी जाती है कि वे कपास को साफ कपड़े या तिरपाल पर रखें। कपास चुनते समय सूखे पत्तों, डंठलों और मिट्टी के टुकड़ों को कपास में मिलने से बचें, क्योंकि इससे कपास की गुणवत्ता खराब हो सकती है। कपास को धूप में फैलाकर नमी कम करें, क्योंकि अधिक नमी कपास की गुणवत्ता और बीज दोनों को नुकसान पहुंचाती है। आंशिक रूप से खुले, अविकसित बोल या नमी वाले बोल को न चुनें। भंडारण क्षेत्र हवादार और पक्का होना चाहिए। यदि आवश्यक हो, तो कपास को स्टोर करने से पहले स्टोर हाउस का धूमन करें। कपास के साथ उर्वरक, पशु आहार, कृषि रसायनों का भंडारण न करें। जिन खेतों में फसल पूरी हो चुकी है, वहां रबी की फसल बोई गई है। इन क्षेत्रों में कपास के पौधों के डंठलों को खेतों में न रखें। कपास की अंतिम चुनाई के बाद कपास के डंठलों को मोबाइल कॉटन श्रेडर से काट लें। दिसंबर के अंत तक फसल को काट लें और फसल अवशेषों को नष्ट कर दें। यदि सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो तो रबी की फसल लें।

डॉ. रचना पांडे और डॉ. पूजा वर्मा द्वारा अनुवादित